राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

आर्ट यात्रा एक सांस्कृतिक सेतु

-राज्यपाल

जयपुर, 09 अप्रेल। राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने कहा है कि राज्यों की लोक कला व संस्कृति का पेंटिग्स के माध्यम से प्रस्तुतीकरण और केनवास के रूप मे मोटर वाहनों का उपयोग एक अभिनव प्रयोग है। ऐसे रूचिकर माध्यम न केवल जनमानस को आकर्षित करते हैं बल्कि एकता का संदेश भी देते हैं। उन्होंने कहा कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत के अन्तर्गत की गई यह आर्ट यात्रा निःसंदेह एक अनूठे और सकारात्मक प्रयोग के रूप मे जानी जायेगी। राज्यपाल ने कहा कि गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल आदि राज्यों में शिक्षकों व कलाकारों के मध्य संवाद व सांस्कृतिक कार्यक्रमों से राज्यों के मध्य एक सांस्कृतिक सेतु का निर्माण हो सकेगा।

राज्यपाल श्री सिंह सोमवार को यहां होटल क्लार्क्स में एक भारत – श्रेष्ठ भारत के तहत आयोजित कार्टिस्ट ऑटोमोबाइल आर्ट फेस्टीवल को सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री सिंह ने इस मौके पर आर्टिस्ट द्वारा बनाई गई आर्टस का अवलोकन किया। श्री सिंह ने तीन आर्टिस्ट को सम्मानित भी किया।

श्री सिंह ने कहा कि अलग–अलग राज्यों में रहने वाले लोगों को एक–दूसरे की कला, संस्कृति व सामाजिक परम्पराओं से परिचित होना चाहिए। लोगों को विभिन्न राज्यों के गौरवशाली इतिहास और वहां की कला व संस्कृति की जानकारी भी होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा देश है, जहां मनुष्यों, जीव – जन्तुओं और प्रकृति को एक परिवार माना जाता है। सम्पूर्ण जगत को वसुधैव कुटुम्बकम् का दर्शन भारत ने दिया है। भारत में पग–पग पर भाषा बदल जाती है, वेश–भूषा, खान–पान बदल जाता है। फिर भी यह देश संस्कृति के एक सूत्र में बंधा हुआ विश्व को एकता का सकारात्मक संदेश देता है। राज्यपाल श्री सिंह ने विविधताओं में रची–बसी राष्ट्रीय एकता की भावना दिनों–दिन और अधिक मजबूत बनाये जाने के लिए आर्टिस्टों को शुभकामनाएं दीं।

समारोह को उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री खंमराज, कॉलेज शिक्षा आयुक्त श्री आशुतोष ए.टी. पेडणेकर व आर्टिस्ट श्री हिमांशु जांगीड ने भी सम्बोधित किया। समारोह में राज्यपाल के सचिव श्री देवाशीष पृष्टि, विशेषाधिकारी डॉ0 अजय शंकर पाण्डेय व राज्य उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष डॉ महेश चन्द्र शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिकगण मौजूद थे।

———

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
जनसम्पर्क अधिकारी, राज्यपाल